आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–06 सितम्बर 2025 सान्ध्य समाचार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में परिवहन विभाग की विभिन्न सेवाओं का शुभारंभ और डिजिटल लोकार्पण तथा शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने डेढ़ लाख जनसेवा केन्द्रों के माध्यम से आमजन तक पैंतालीस से अधिक सेवाएं पहुंचाने की सुविधा का भी शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की सराहना करते हुए कहा –

परिवहन विभाग प्रदेश के पब्लिक ट्रांसपोर्ट का सबसे बड़ा माध्यम है। स्वभाविक रूप से देश का भी चौदह हजार बसें किसी एक निगम के पास हो और उसके माध्यम से संचालित हो रहे हों। तो उत्तर प्रदेश परिवहन निगम सफलता पूर्वक अपनी सेवाएं प्रदान करता है। उसके चैलेंजेज भी इतनी विशाल आबादी के लिए सुविधा के लिए और खास तौर पर अभी हालही में रक्षाबंधन के अवसर पर तीन दिनों तक तीन दिनों तक लगातार बस सेवा और वह भी बहनों को फ्री में बस सेवा को जो सुविधा अपने उपलब्ध करवाई वह और भी शानदार थी।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने चार सौ नई बसों को हरि झंडी दिखाई और पीपीपी मॉडल पर विकसित किए जाने वाले सात आधुनिक बस स्टेशनो का शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने नो हेलमेट– नो फ्यूल अभियान को जनहित में बताते हुए लोंगो से सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने का आह्वान किया।

बहुत बार कानून लोगों को बहुत बुरा लगता है। लेकिन याद रखना यही कानून अंततःअपकी सुरक्षा और आपकी संरक्षण का अधार बनता है। पेट्रोल पंप ने इस समय अभियान चलाया है नो हेलमेट–नो फ्यूल यानी अगर आप हेलमेट नही पहनेंगे तो आपको हम तेल नही देंगे। हित में बाइकर्स का है कि वह अगर पहनकर के चलाता है दुर्भाग्य से कोई दुर्घटना होती है तो कम से कम जान तो बच जाएगी।

****

सरकार के हाल ही में वस्तु और सेवा कर–जीएसटी सुधारों के बाद आगामी बाइस सितंबर से उपभोक्ताओं के दैनिक उपयोग की कई वस्तुओं की कीमतें कम हो जाएंगी। जीएसटी परिषद ने अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को सरल बनाकर इसे पांच और अट्ठारह प्रतिशत की स्लैब में परिवर्तित कर दिया है। इन बदलावों से दवाओं और दूध से लेकर कारों, साबुन तथा आईपीएल टिकटों के सस्ते होने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट–

जीएसटी परिषद ने कई डेयरी उत्पादों को करो से छूट देने का फैसला किया है। पनीर छेना और अल्ट्रा हाई टेंपरेचर दूध जैसी वस्तुएं अब कर मुक्त हैं। इन पर अभी तक पांच प्रतिशत जीएसटी लगता था इसके अलावा मक्खन घी और पनीर जैसे डेरी उत्पादों पर अब जीएसटी घटकर 5 प्रतिशत किया गया है जो पहले 12 प्रतिशत था। इस सुधार से अपनी आजीविका के लिए दुधारू पशुओं पर निर्भर रहने वाले 8 करोड़ से अधिक ग्रामीण किसान परिवारों को सीधा लाभ प्राप्त होगा। दृष्टि की रिपोर्ट के साथ समाचार कक्ष से आनंद पाठक।

****

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग–यूपीएसएसएससी की दो दिनों तक चलने वाली प्रारंभिक अर्हता परीक्षा–पीईटी दो हजार पचीस, आज से प्रदेश के अड़तालिस जिलों में चौदह सौ उन्यासी परीक्षा केन्द्रों पर प्रारम्भ हुई। पहली पाली की परीक्षा सुबह दस से बारह बजे तक और दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर बाद तीन बजे से शाम पांच बजे तक संपन्न हुई। परीक्षा को लेकर केन्द्रों पर सुरक्षा व्यवस्था के साथ शहरी क्षेत्रों में यातायात प्रबंधन के व्यापक इंतजाम किए गये थे। यह परीक्षा सीसीटीवी कैमेरों की निगरानी में हो रही है। दोनों पालियों की परीक्षा के दौरान प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों ने परीक्षा केन्द्रों का जायजा लिया। पीईटी के कारण प्रशासन ने गोरखपुर सहित कुछ जिलों में शहरी क्षेत्र के सभी स्कूलों में आज अवकाश घोषित किया था। परीक्षा कल भी आयोजित की जाएगी। दो दिनों में मिलाकर पचीस लाख से अधिक अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हो रहे हैं।

****

गोरखपुर स्थित राज्य के पहले महायोगी गुरू गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय में कल से दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जायेगा। आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के. रामाचन्द्रा रेड्डी ने बताया कि इस सेमिनार में देश के चौदह राज्यों के साथ ही कई देशों के आयुष पद्धतियों के विशेषज्ञ शामिल होंगे।

****

सड़क किनारे ठेला, रेहड़ी लगाने वाले दुकानदारों को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग में लाइसेंस बनवाने पर रूपये नहीं देने होंगे। इस सम्बन्ध में गोरखपुर सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन डॉक्टर सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि ठेला और रेहड़ी वालों को खाद्य लाइसेंस प्राप्त करने के लिये सिर्फ पंजीकरण ही कराना होगा। उन्होंने बताया कि हर प्रकार के खाद्य व्यावसाय के लिये पंजीकरण या लाइसेंस अनिवार्य है।

****

प्रदेश के पश्चिमी क्षेत्र के कई जिलों में बारिश के चलते नदियां उफान पर हैं तो वहीं पूर्वी क्षेत्र के गोरखपुर और आसपास के जिलों में नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से काफी नीचे है। इस बीच आज दोपहर बाद गोरखपुर और आसपास के क्षेत्रों में बूंदाबांदी हुयी। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों में प्रदेश के पूर्वी जिलों में गरज–चमक के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान जताया है।

****